न्यूजलेटर

भाकृअनुप–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कानपुर

ISO 9001:2015 प्रमाणित संस्थान

अंक–23 अप्रैल–जून, 2021

विषय–सूची

- NARI प्रोजेक्ट की समीक्षा कार्यशाला का आयोजन 3
- भाकृअनुप–अटारी कानपुर में संस्थान प्रबन्ध कमेटी मीटिंग का आनलाइन आयोजन 3
- निकरा प्रोजेक्ट की वार्षिक कार्यशाला का आनलाइन आयोजन 5
- राज्य स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी–2021 5
- भा.कृ.अनु.प.–'कृषि प्रौद्योगिकियों का किसानों को समर्पण एवं कृतज्ञ हैकथॉन पुरस्कार समारोह' का आयोजन 5
- भाकृअनुप की डिवीजनल मीटिंग 7
- भाकृअनुप–राष्ट्रीय मिथुन अनुसंधान केंद्र, मेडजिपेमा, नागालैंड का 33वाँ स्थापना दिवस समारोह 7
- विश्व पर्यावरण दिवस पर वेबिनार का आयोजन 7
- 'आय संवर्धन एवं पर्यावरण संरक्षण में कृषि वानिकी की भूमिका' विषय पर वेबिनार 9
- खरीफ की तैयारी के लिये आनलाइन कार्यशाला 9
- कृषि विज्ञान केन्द्रों की 28वीं वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन 9
- वर्ष 2021 के आगामी 6 माह की कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियों की तैयारी के लिये कार्यशाला 11
- संरक्षित कृषि पर राष्ट्रीय वेबिनार 11
- त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट 13

सम्पादकीय

अप्रैल से जून 2021 की अवधि के दौरान कोविड–19 की दूसरी लहर चरम पर रही जिस कारण उत्तर प्रदेश में लाकडाउन लगाया गया एवं समस्त आवश्यक कार्य जैसे वित्त से संबंधित कार्य एवं कृषि एडवाइजरी पहुचाने संबंधित आदि कार्य सरकार की गाइडलाइन का पालन करते हुए सुचारू रूप से चलते रहें। इस अवधि में कोविड–19 को देखते हुए अधिकांश बैठक, कार्यशाला व प्रशिक्षण आदि आनलाइन माध्यम से आयोजित किये गये। अप्रैल माह में NARI परियोजना की समीक्षा कार्यशाला व संस्थान की प्रबंधन समिति की मीटिंग आनलाइन आयोजित की गई। मई माह में निकरा परियोजना की समीक्षा कार्यशाला का आयोजन हुआ एवं खरीफ की तैयारी की चर्चा के लिये कृषि उत्पादन आयुक्त, उ0प्र0 शासन की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी–2021 में प्रतिभाग किया। जून में पर्यावरण दिवस के अवसर वेबिनार में प्रतिभाग, भाकृअनुप–अटारी कानपुर के कृषि विज्ञान केन्द्रों की तीन दिवसीय 28वीं वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों की प्रगति प्रतिवेदन की समीक्षा की गई तथा वर्ष 2021 के आगामी 6 माह की कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियों की तैयारी के लिये भी कार्यशाला का आनलाइन आयोजन हुआ जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्रों को दिशा निर्देश दिये गये।

- अतर सिंह

Newslettter

ICAR-AGRICULTURAL TECHNOLOGY APPLICATION RESEARCH INSTITUTE, KANPUR

An ISO 9001:2015 Certified Institute

ICAR-ATARI, Kanpur Newsletter *Vol XXIII – April-June, 2021*

Index

- ❑ Review workshop of NARI Project 4
- ❑ Online Institute Management Committee meeting of ICAR-ATARI Kanpur 4
- ❑ Annual review workshop of NICRA project 6
- ❑ State Level *Kharif* Productivity Seminar-2021 6
- ❑ Dedication of ICAR Technologies to the Farmers & Kritagya Hackathon Award Ceremony" organized 6
- ❑ Divisional Meeting of ICAR 8
- ❑ 33rd Foundation day ceremony of ICAR-National Research Centre on Mithun 8
- ❑ Webinar on World Environment Day 8
- ❑ Webinar on 'Role of Agroforestry in Increasing Income and Environment Protection' 10
- ❑ Online workshop for *Kharif* preparation 10
- ❑ 28th Annual Zonal Workshop of KVKs 10
- ❑ Workshop to prepare the activities of KVKs for the next 6 months of the year 2021 12
- ❑ Webinar on Protected Cultivation 12
- ❑ Quarterly Progress Report 13

Director's Desk

During the period of April-June 2021, 2nd wave of Covid-19 pandemic was at its peak, due to which the lockdown was imposed in Uttar Pradesh and all the necessary works like finance related work and providing agriculture advisory was done following guideline. In Covid-19 period, most of the meetings, workshops and trainings were organized through online medium. In the month of April, the review workshop of the NARI project and the IMC Meetings were organized online. In the month of May, review workshop of NICRA project was organized and to discuss the preparation for *Kharif*. Participated in the State Level *Kharif* Productivity Seminar-2021 and the webinar on the occasion of Environment Day in June. A three-day 28th Annual Zonal Workshop of KVKs of ICAR-ATARI Kanpur was organized in June in which the progress reports of all KVKs were reviewed. For the next 6 months preparation of the year 2021, an online workshop of KVKs was organized in June in which guidelines were given to Krishi Vigyan Kendras.

-Atar Singh

NARI प्रोजेक्ट की समीक्षा कार्यशाला का आयोजन

दि 07–08 अप्रैल 2021 को भाकृअनुप–अटारी कानपुर द्वारा NARI (Nutri-Sensitive Agricultural Resources and Innovation) प्रोजेक्ट की समीक्षा कार्यशाला का आनलाइन आयोजन किया गया।

कार्यशाला में डा. ए.के. सिंह, उपमहानिदेशक (कृषि प्रसार) भाकृअनुप ने केवीके की प्रेजेन्टेशन देखी और सराहना की। उन्होंने कहा कि यह NARI प्रोजेक्ट महिला आधारित और पोषण आधारित प्रोजेक्ट है। शरीर में सही पोषक तत्व होने के लिये पैसा होना जरूरी नहीं बल्कि जागरुक होना जरूरी है। महिलाओं को महिला केन्द्रित कार्यक्रमों के माध्यम से जानकारी दी जाये। स्वास्थ्य एक ऐसा विषय है जो वातावरण बदलने से भी काफी प्रभावित होता है। एक न्यूट्रीगार्डन हर केवीके में होना चाहिए।

भाकृअनुप–अटारी कानपुर निदेशक ने कहा कि कुपोषण को दूर करने के लिये यह महत्वपूर्ण परियोजना है। केवीके नवीन तकनीकी के अनुरूप प्रदर्शन लगायें और स्थानीय महिलाओं को पोषण वाटिका में उगाये गये उत्पादों की जानकारी दें। कार्यशाला में प्रधान वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्रों के 100 से अधिक अध्यक्ष एवं गृह वैज्ञानिक आनलाइन कार्यशाला में जुड़ें।

भाकृअनुप–अटारी कानपुर में संस्थान प्रबन्ध कमेटी मीटिंग का आनलाइन आयोजन

दि 16 अप्रैल 2021 को भाकृअनुप–अटारी जोन तृतीय कानपुर में संस्थान प्रबन्ध कमेटी की मीटिंग का आनलाइन आयोजन किया गया जिसमें भाकृअनुप–अटारी कानपुर निदेशक ने अध्यक्षता की, प्रधान वैज्ञानिकगण सदस्यों, मा0 मंत्री जी द्वारा नामित किसान सदस्यों, संस्थान के वैज्ञानिकगण, सहायक प्रशासनिक अधिकारी व मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं भारतीय दलहन अनु. संस्थान से सहा. वित्त एवं लेखा अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यशाला में निदेशक ने सभी का स्वागत किया एवं उपस्थित सदस्यगणों को अटारी के कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी दी एवं प्रगति प्रतिवेदन 2020 एवं उपलब्धियों का प्रस्तुतिकरण किया। कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से 6 हजार से अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के द्वारा 28 हजार से अधिक किसान एवं युवा लाभान्वित हुए।

भाकृअनुप–अटारी के निदेशक, नामित सदस्य डा. रमाकान्त शर्मा जी एवं श्री बलराम सिंह कछवाहा जी, अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक एवं भाकृअनुप संस्थानों से नामित सदस्यगण डा. एस.एन. सिंह, डा. राजेश कुमार, डा. शिव धर, डा. राजीव कुमार अग्रवाल उपस्थित रहे।

Review workshop of NARI Project

On 07-08 April 2021, a review workshop of NARI (Nutri-Sensitive Agricultural Resources and Innovation) project was organized online in ICAR-ATARI Kanpur. Dr. Atar Singh, Director of ICAR-ATARI, Kanpur gave this information.

In the workshop, Dr. AK Singh, Deputy Director General (Agricultural Extension) ICAR seen the presentations of KVKs and appreciated it. He said that this project is a women-based and nutritional-based project. Awareness is important for right nutrition. Provide information to local women on how to use them in Nutri-thali.

Director ICAR-ATARI Kanpur said that NARI Projects is an important project to eliminate malnutrition in the country. The KVKs should demonstrate fortified verities of crops and new technologies and inform the local women about the products grown in the Nutri-Garden for round the year.

In the workshop more than 100 KVK Heads & Home Scientists of all KVKs were present and attended the workshop.

Online Institute Management Committee meeting of ICAR-ATARI Kanpur

On 16th April 2021, the Institute Management Committee meeting was organized online at ICAR-ATARI Zone-III Kanpur. Meeting was Chaired by Director of ICAR-ATARI Kanpur. Principal Scientist, members nominated by Hon'ble Minister, Institute Scientists, Assistant Administrative Officer and Chief Technical Officer were present.

In the workshop, the director welcomed everyone and informed the members about the works and achievements of ATARI and presented the progress report 2020 and achievements. More than 28 thousand farmers and youth were benefitted through more than 6 thousand training programs through Krishi Vigyan Kendras.

Director of ICAR-ATARI, nominated members Dr. Ramakant Sharma ji and Shri Balram Singh Kachwaha ji, Principal Scientist of ATARI Kanpur and nominated members from ICAR Institutes Dr. S.N. Singh, Dr. Rajesh Kumar, Dr. Shiv Dhar, Dr. Rajiv Kumar Agarwal were present.

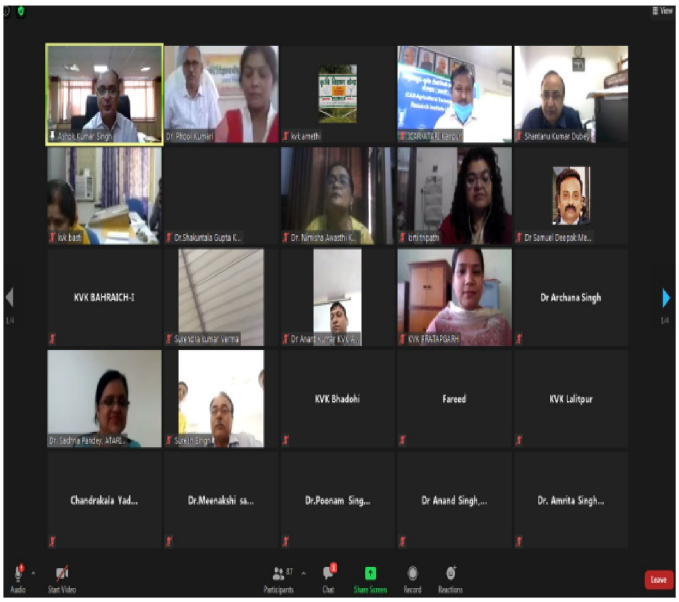

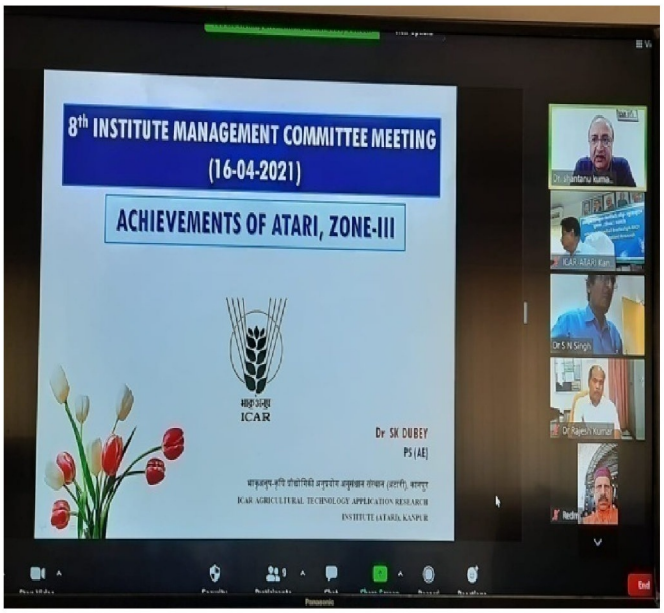

निकरा प्रोजेक्ट की वार्षिक कार्यशाला का आनलाइन आयोजन

दि 28 मई 2021 को भाकृअनुप–अटारी जोन–III कानपुर में निकरा प्रोजेक्ट की वार्षिक कार्यशाला का आनलाइन आयोजन किया गया।

कार्यशाला में डा. ए.के. सिंह, उपमहानिदेशक (कृ.प्र.) ने बताया कि निकरा प्रोजेक्ट जब प्रारम्भ हुआ था तो जोन–III में उत्तराखण्ड भी शामिल था। वहां भी मृदा एवं जल से संबंधित समस्याएं थीं। निकरा प्रोजेक्ट एक काफी सफल प्रोजेक्ट रहा है। कृषि विज्ञान केन्द्र अच्छे से कार्य कर रहे हैं परन्तु इसे और भी बेहतर बनाने की आवश्यकता है। अटारी एवं क्रीडा के सहयोग से केवीके द्वारा किये जा रहे कार्यों को और बेहतर बनाया जाये। प्रत्येक निकरा केवीके में सीड बैंक और फौडर बैंक होने की टर्मिनोलोजी को बदला जाने की आवश्यकता है। निदेशक अटारी कानपुर ने विभिन्न तकनीकी किस्मों का परिणाम एवं समस्याग्रस्त 13 जिलों के बारे में संक्षिप्त वर्णन किया।

कार्यशाला में अध्यक्ष डा. ए.के. सिंह–उपमहानिदेशक (कृ.प्र.) भाकृअनुप थे, कार्यशाला के आयोजक डा. अतर सिंह–निदेशक भाकृअनुप–अटारी कानपुर, मुख्य अतिथि डा. विनोद कुमार सिंह–निदेशक भाकृअनुप–क्रीडा हैदाराबाद, सम्मानीय अतिथि डा. ए.के. मेहता से.नि. सहायक महानिदेशक एवं चेयरमैन जेड. एम.सी. एवं अतिथि डा. जे.वी.एन.एस. प्रसाद रहे।

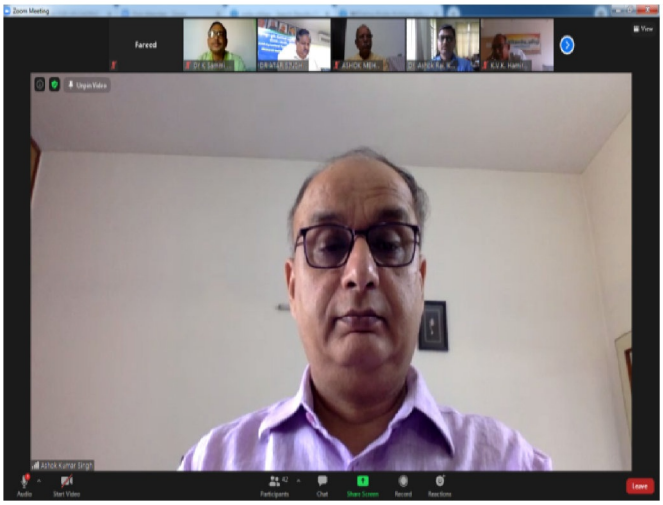

राज्य स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी–2021

दि 31 मई 2021 खरीफ की तैयारी की चर्चा के लिये कृषि उत्पादन आयुक्त, उ0प्र0 शासन की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी का वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजन किया गया। गोष्ठी में भाकृअनुप–अटारी कानपुर निदेशक डा. अतर सिंह ने भी प्रतिभाग किया।

गोष्ठी में माननीय कृषि मंत्री उ0प्र0 शासन श्री सूर्यप्रताप शाही जी ने कहा कि जो क्रय केन्द्र बन्द हो गये हैं वे चालू कर दिये जायेंगे।

गोष्ठी में सबसे पहले कृषि निदेशक डा. ए.पी. श्रीवास्तव ने बताया कि हरी खाद का बढ़ावा दिया जा रहा है, एफ.पी.ओ. के माध्यम से समूहिक खेती को प्रोत्साहित करेंगे। जलसंरक्षण को अभियान के रूप में चलाकर भूगर्भ जल स्तर बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। पिछले वर्ष में भी खरीफ का उत्पादन काफी अच्छा था इस बार भी किसानों की आय वृद्धि हो इसके लिय पूरे प्रयास किये जा रहे हैं।

संचाई की व्यवस्था हेतु विद्युत–आपूर्ति की विशेष व्यवस्था की जा रही है। बरेली में केले की खेती को बढ़ावा दिया जाए।

गोष्ठी में माननीय कृषि मंत्री उ0प्र0 शासन, माननीय कृषि राज्य मंत्री उ0प्र0 शासन, उ0प्र0 के जिलों के कमिश्नर, जिलाधिकारी, कृषि अधिकारी, कृषि से जुड़े संस्थान एवं प्रगतिशील किसान गोष्ठी में सम्मिलित रहे।

भा.कृ.अनु.प.–'कृषि प्रौद्योगिकियों का किसानों को समर्पण एवं कृतज्ञ हैकथॉन पुरस्कार समारोह' का आयोजन

दि. 31 मई 2021 को अटारी निदेशक द्वारा भा.कृ.अनु.प. नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'कृषि प्रौद्योगिकियों का किसानों को समर्पण एवं कृतज्ञ हैकथॉन पुरस्कार समारोह' में आनलाइन प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथी श्री नरेंद्र सिंह तोमर, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं पंचायती राज मंत्री ने भा.कृ.अनु.प.–'कृषि प्रौद्योगिकियों का किसानों को समर्पण एवं कृतज्ञ हैकथॉन पुरस्कार समारोह' का आयोजन किया गया।

श्री तोमर ने इस अवसर पर कहा कि देश के सुदूर किसानों तक वैज्ञानिक पद्धतियों व नवाचारों को पहुँचाने तथा उसका विस्तार करने में भा.कृ.अनु.प. तथा उससे संबंधित अनुसंधान–संस्थान, विश्वविद्यालयों और कृषि विज्ञान केंद्रों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है।

Annual review workshop of NICRA project

The annual review workshop of NICRA Project was organized online on 28th May 2021 at ICAR-ATARI Zone-III, Kanpur.

In the workshop, Dr. A.K. Singh, DDG (AE) said that when the NICRA project was started, Uttarakhand was also included in Zone-III. There were also problems related to soil and water. The NICRA project has been a fairly successful project. The Krishi Vigyan Kendras are working well, but there is a need to make it even better. The work being implemented by KVKs should be further improved with the help of ATARIs and CRIDA. There is a need to change the terminology of each NICRA KVK to have a seed bank and a fodder bank. Organic farming is also directly related to climate. IFS method is being promoted.

The workshop was Chaired by Dr. A.K. Singh Deputy Director General (AE) Organizer of the workshop Dr. Atar Singh - Director ICAR-ATARI Kanpur, Dr. Vinod Kumar Singh-Director ICAR-CRIDA Hyderabad Chief Guest, Guest of Honor Dr. A.K. Mehta-Former ADG and Chairman Z.M.C., Dr. J.V.N.S. Prasad were present in the workshop.

State Level *Kharif* Productivity Seminar-2021

The State Level *Kharif* Productivity Seminar was organized through video conferencing under the chairmanship of Agriculture Production Commissioner, Government of Uttar Pradesh to discuss the preparations for the 31 May 2021 *Kharif*. ICAR-ATARI Kanpur Director also participated in the seminar.

In the seminar, Hon'ble Agriculture Minister, Government of Uttar Pradesh, Shri Suryapratap Shahi ji said that the purchase centers which have been closed will be started.

Agriculture Director Dr. A.P. Srivastava told FPOs will encourage group farming. Efforts are being made to increase the ground water level by running water conservation as a campaign. Last year also the *Kharif* production was very good, this time also all efforts are being made to increase the income of the farmers.

Special arrangements are being made for power supply for the arrangement of irrigation.

In the seminar, Hon'ble Agriculture Minister, UP Government and Hon'ble Minister of State, UP District Commissioners, District Magistrates, Agriculture Officers, institutions related to agriculture and progressive farmers were present in the seminar.

"Dedication of ICAR Technologies to the Farmers & Kritagya Hackathon Award Ceremony" organized

On 31st May 2021 ICAR-ATARI Director online participated in 'Dedication of Agricultural Technologies to Farmers and Kritagya Hackathon Award Ceremony' organized by New Delhi. Chief guest in the program was Shri Narendra Singh Tomar, Union Minister of Agriculture and Farmers Welfare.

On this occasion, Shri Tomar said that ICAR has been instrumental in spreading scientific methods and innovations to the remote farmers of the country. The role of research institutes, universities and Krishi Vigyan Kendras are important in this.

डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव (कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग) एवं महानिदेशक (भा.कृ.अनु.प.) ने बताया कि नवीन प्रौद्योगिकी समाधानों के माध्यम से महिलाओं के अनुकूल उपकरणों का विकास एवं संवर्धन और हितधारकों के साथ सही सहयोग कृषि की उत्पादकता व लाभप्रदता को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भाकृअनुप की डिवीजनल मीटिंग

दिनांक 31 मई 2021 को डिवीजन आफ एग्रीकल्चर एक्सटेंशन, भाकृअनुप, नई दिल्ली द्वारा डॉ. ए.के. सिंह, उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) की अध्यक्षता में एक मीटिंग का आयोजन किया गया। इस बैठक में डॉ रणधीर सिंह, सहायक महानिदेशक (कृषि प्रसार), भाकृअनुप–अटारी निदेशक और उनके अधिकारी और डिवीजन के वैज्ञानिक उपस्थित थे।

इस बैठक में किसान डेटाबेस के निर्माण के बारे में विशेष बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया।एफपीओ के बारे में दिशानिर्देशों का भी पालन करने की आवश्यकता है। विशेष रूप से केवीके को बागवानी विषय पर ध्यान देने की जरूरत है।

गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री के उत्पादन के लिए सब्जी, फल, औषधीय पौधे, कृषि वानिकी को अलग से शामिल करके कवर किया जाना चाहिए। एमएसएमई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना महत्वपूर्ण आयोजनों में से एक है।

भाकृअनुप–राष्ट्रीय मिथुन अनुसंधान केंद्र, मेडजिफेमा, नागालैंड का 33वाँ स्थापना दिवस समारोह

2 जून, 2021, को अटारी निदेशक द्वारा भाकृअनुप–राष्ट्रीय मिथुन अनुसंधान केंद्र, मेडजिफेमा, नागालैंड के 33वें स्थापना दिवस में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रतिभाग किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता उप महानिदेशक (पशु विज्ञान), भाकृअनुप, नई दिल्ली, डॉ भूपेंद्र नाथ त्रिपाठी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की। उन्होंने पिछली जनगणना की तुलना में मिथुन आबादी में 30 प्रतिशत की वृद्धि के लिए आईसीएआर–एनआरसीएम के योगदान पर जोर दिया। उन्होंने किसानों को लाभान्वित करने वाली प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए संपूर्ण आईसीएआर–एनआरसीएम की कड़ी मेहनत की प्रशंसा की। उन्होंने इस तथ्य को रेखांकित किया कि मिथुन उत्पादन जैविक होने के कारण विभिन्न प्रकार के रोगजनकों और परजीवियों से संक्रमित हुए बिना जंगलों में पनपने की उल्लेखनीय क्षमता है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर वेबिनार का आयोजन

दिनांक 04 जून 2021 को 5 जून 2021–विश्व पर्यावरण दिवस पर वेबिनार का आयोजन भाकृअनुप–केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी के माध्यम से किया गया।

प्रसिद्ध पर्यावरणविद् डा. अनिल प्रकाश जोशी ने कहा कि प्रकृति के संदेशों को महसूस करना होगा। प्रकृति के असंतुलन से आये दिन विभिन्न चक्रवात आदि आ रहे हैं। नई–नई बीमारियां बर्ड फ्लू, स्वाइन फ्लू और अब कोरोना वाइरस आया है। विभिन्न बीमारियों से बचने के लिये प्रकृतिक जड़ी बूटिया जैसे अदरक, हल्दी आदि ही हमारे काम आ रही हैं। हर व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण के लिये योगदान कर सकता है।

Dr. Tirlochan Mohapatra (Secretary DARE & DG ICAR) said that Development and promotion of women friendly equipment through innovative technology solutions and right collaboration with stakeholders will play a vital role in increasing the productivity and profitability of agriculture.

Divisional Meeting of ICAR

On 31st May 2021 a meeting was organized by the Division of Agriculture Extension, ICAR, New Delhi under the Chairmanship of Dr. A.K. Singh, DDG (AE). Dr. Randhir Singh, ADG (AE), Director ICAR-ATARI and their officers and scientists of the Division were present in the meeting.

Special points regarding creation of farmer database were highlighted in this meeting. Guidelines regarding FPOs also need to be followed. KVKs in particular need to pay attention to the subject of Horticulture.

Vegetables, fruits, medicinal plants, agro-forestry should be covered separately for production of quality planting material. Organizing MSME training programs is one of the important events.

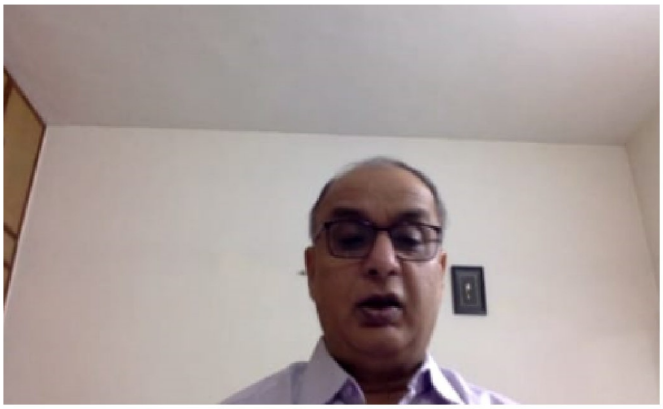

33rd Foundation day ceremony of ICAR-National Research Centre on MIthun

On 2nd June 2021, Director ATARI online participated in the 33rd Foundation day ceremony of ICAR-National Research Centre on Mithun, Nagaland.

Dr. Bhupendra Nath Tripathi, DDG (AS) Chaired the programme through video conferencing. He emphasized the contribution of ICAR-NRCM for the increase of 30% in Mithun population as compared to the previous census. He appreciated the hard work of the entire ICAR-NRCM for developing technologies that would benefit the farmers. He underlined the fact that mithun production being organic has remarkable ability to thrive in forests without getting infected by various types of pathogens and parasites.

Webinar on World Environment Day

On 4th June 2021 a Webinar was organized on World Environment Day by ICAR-Central Research Institute of Agroforestry, Jhansi.

Famous environmentalist Dr. Anil Prakash Joshi said that we need to feel the messages of nature. Due to the imbalance of nature, various cyclones are coming every day. New diseases like bird flu, swine flu and now corona virus have came. To avoid various diseases, only natural herbs like ginger, turmeric etc. are working for us. Everyone can contribute towards environmental protection.

वेबिनार में डा. ए.अरुणाचलम, निदेशक भाकृअनुप–केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झांसी, प्रो. आर.पी. सिंह, प्रो. कुसुम अरुणाचलम, निदेशक भाकृअनुप–अटारी कानपुर एवं विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया।

'आय संवर्धन एवं पर्यावरण संरक्षण में कृषि वानिकी की भूमिका' विषय पर वेबिनार

दि. 05 जून 2021 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्र लखनऊ द्वारा आनलाइन गोष्ठी एवं कृषि विज्ञान केन्द्र अमेठी द्वारा 'आय संवर्धन एवं पर्यावरण संरक्षण में कृषि वानिकी की भूमिका' विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। भाकृअनुप–अटारी कानपुर निदेशक ने वेबिनार में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया गया। वेबिनार में डा. ए.डी. पाठक, निदेशक भाकृअनुप–भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ ने अध्यक्षता की।

खरीफ की तैयारी के लिये आनलाइन कार्यशाला

दि. 5 जून 2021 को अटारी निदेशक डा. अतर सिंह की अध्यक्षता में खरीफ की तैयारी के लिये निदेशक प्रसार समस्त राज्य कृषि विवि. और कृषि विज्ञान केन्द्रों के साथ आनलाइन कार्यशाला का आयोजन हुआ, जिसमें उनको खरीफ से संबंधित प्रमुख गाइडलाइन की जानकारी प्रदान की गई।

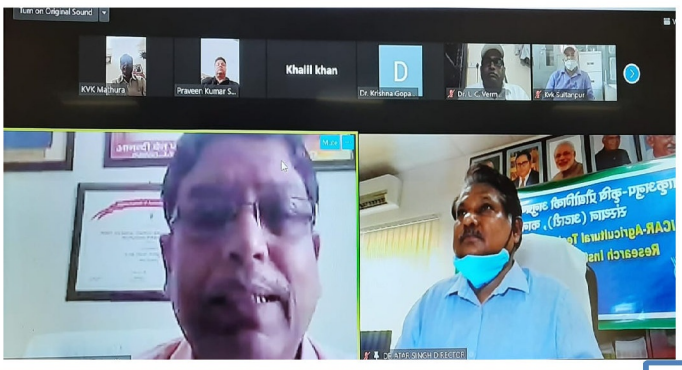

कृषि विज्ञान केन्द्रों की 28वीं वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन

दि. 15–17 जून 2021 को जोन–III के कृषि विज्ञान केन्द्रों की 28वीं वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला का आनलाइन आयोजन हुआ। कार्यशाला में मुख्य अतिथि डा. ए.के. सिंह, उपमहानिदेशक (कृषि प्रसार), ने भाकृअनुप–अटारी के प्रकाशनों का विमोचन किया, और कहा कि बीज उत्पादन में देश में उत्तर प्रदेश के कृषि विज्ञान केन्द्र सबसे आगे हैं। बीज उत्पादन और पौध सामग्री का उत्पादन कृषि विज्ञान केन्द्रों के लिये काफी महत्वपूर्ण हैं। ग्रामीण युवाओं को कृषि में आकर्षित करने के लिये आर्या परियोजना काफी लाभदायक और सफल सिद्ध हो रही है।

विशिष्ट अतिथि डा. बिजेन्द्र सिंह, कुलपति, आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौ. विश्वविद्यालय, अयोध्या ने कोविड अवधि में भी बजट समय से मिलने के लिये एवं कार्य सुचारू रूप से चलने के लिये अटारी निदेशक को धन्यवाद दिया।

विशिष्ट अतिथि डा. डी.आर. सिंह, कुलपति, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौ. विश्वविद्यालय, कानपुर ने बताया कि कानपुर देहात जिले का अनूपपुर गांव जो कि कुपोषित है उसमें बायोफोर्टिफाइड प्रजातियों को बढ़ावा देकर कृषि विज्ञान केन्द्र दिलीपनगर कानपुर देहात कार्य कर रहा है।

विशिष्ट अतिथि डा. आर.के. मित्तल कुलपति, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ. विश्वविद्यालय, मेरठ ने कहा कि कृषि को व्यवसाय के रूप में प्रोत्साहित करके 'बिजनेस ओरिएन्टल' बनाना चाहिए। किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए और बेहतर मार्केटिंग की आवश्यकता है।

विशिष्ट अतिथि डा. यू.एस. गौतम, कुलपति, बांदा कृषि एवं प्रौ. विश्वविद्यालय, बांदा ने कहा कि बुन्देलखण्ड में पानी की कमी है इसके बावजूद कृषि विज्ञान केन्द्रों ने गत कई वर्षों से काफी बेहतर प्रदर्शन किया है, साथ ही उन्होंने केवीके में कार्यरत तकनीकी एवं अन्य स्टाफ के लिए प्रमोशन पालिसी लागु करने की सलाह दी।

अटारी कानपुर निदेशक डा. अतर सिंह ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से चल रही राज्य एवं केन्द्र सरकार की विभिन्न परियोजनाओं का और उनकी प्रगति का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दिया।

कार्यशाला में जोन तृतीय के समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों, भाकृअनुप संस्थानों के निदेशक, सहायक महानिदेशकों, उ0प्र0 के कृषि विश्वविद्यालयों के निदेशक प्रसारगणों के साथ ही अन्य वैज्ञानिक कार्यशाला में आनलाइन उपस्थित रहे।

Dr. Arunachalam, Dr. R.P. Singh, Prof. Kusum Arunachalam and Scientists of various institute online participated in this webinar.

Webinar on 'Role of Agroforestry in Increasing Income and Environment Protection'

On the occasion of 5th June 2021-World Environment Day, an online webinar was organized by Krishi Vigyan Kendra Lucknow and a webinar on the topic 'Role of Agroforestry in Increasing Income and Environment Protection' was organized by Krishi Vigyan Kendra Amethi. Director ICAR-ATARI Kanpur participated in the webinar as the Chief Guest. In the webinar, Dr. A.D. Pathak, Director ICAR-Indian Sugarcane Research Institute Lucknow Chaired the webinar.

Online workshop for *Kharif* preparation

On June 5, 2021, under the chairmanship of Director ICAR-ATARI kanpur, a meeting with Director Extension, SAUs and KVKs for the preparation of *Kharif* was organized online, in which they were provided information and major guidelines related to *Kharif*.

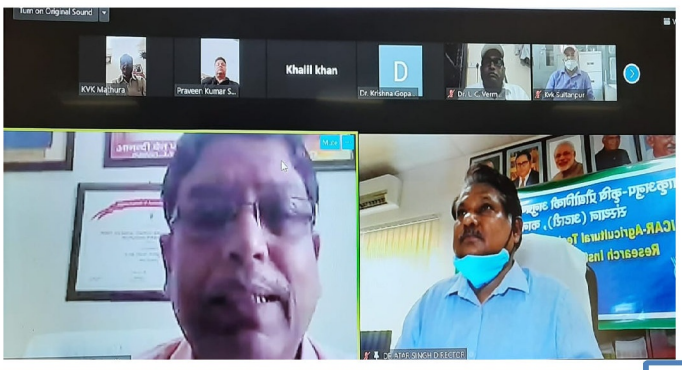

28th Annual Zonal Workshop of KVKs

On 15-17th June 2021, the 28th Annual Zonal Workshop of Krishi Vigyan Kendras of Zone-III was organized online.

Chief guest in the workshop Dr. A.K. Singh, DDG (AE), released the publications of ICAR-ATARI, and said that Krishi Vigyan Kendras of Uttar Pradesh are at the leading in the country in seed production. Seed production and plant material production are very important for Krishi Vigyan Kendras. ARYA Project is proving to be very profitable and successful to attract rural youth to agriculture.

Special guest Dr. Bijendra Singh, Vice Chancellor, ANDUA&T Ayodhya thanked the ATARI Director for meeting the budget on time and for smooth running of the work even during the Covid period.

Special guest Dr. D.R. Singh, Vice Chancellor, CSAU&T, Kanpur informed that Krishi Vigyan Kendra Dilipnagar Kanpur Dehat is working by promoting biofortified species in Anuppur village of Kanpur Dehat district which is malnourished.

Special guest Dr. R.K. Mittal Vice Chancellor, SVPUA&T, Meerut said that agriculture should be made 'Business Oriented' by promoting it as a business. Better marketing is needed to increase the income of the farmers.

Special guest Dr. U.S. Gautam, Vice Chancellor, BUAT, Banda said that despite the lack of water in Bundelkhand, Krishi Vigyan Kendras have performed very well in the last several years and also advised to implement promotion policy for technical and other staff working in KVKs.

Director ICAR-ATARI Dr. Atar Singh gave a brief introduction of the various projects of the State and Central Government running through Krishi Vigyan Kendras and a brief details of progress report presented.

In the workshop, all the Krishi Vigyan Kendras of Zone III, Directors of ICAR Institutes, ADGs, Director Extensions of Agricultural Universities of Uttar Pradesh and other scientists were present online in the workshop.

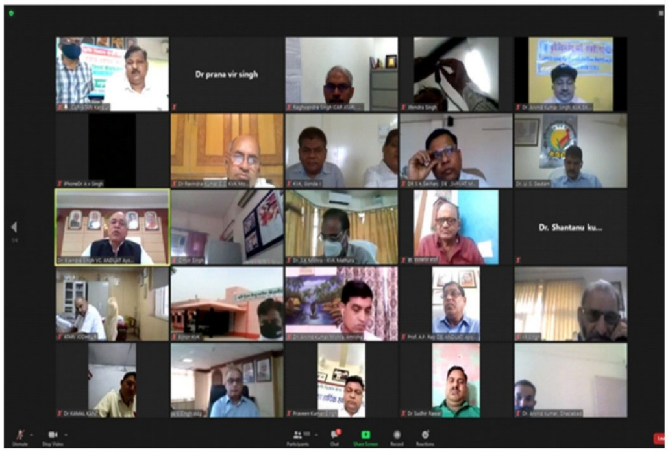

वर्ष 2021 के आगामी 6 माह की कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियों की तैयारी के लिये कार्यशाला

दि. 26 जून 2021 को भाकृअनुप–अटारी कानपुर द्वारा उ.प्र. के कृषि विज्ञान केन्द्रों की आगामी 6 माह की गतिविधियों की तैयारी विशेषकर खरीफ ऋतु की बुवाई की स्थिति, रबी की तैयारी, प्रक्षेत्र प्रदर्शनों की स्थिति, बजट की स्थिति, विभिन्न परियोजनाओं के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्य, प्रशिक्षणों, प्रयुक्त तकनीकों संबंधित दिशा निर्देश देने के लिये आनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता निदेशक भाकृअनुप–अटारी कानपुर ने की।

अटारी निदेशक ने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्र समस्त इन्फारमेशन समय पर उपलब्ध करायें जिससे हेडक्वार्टर को समय पर जानकारी पहुँचाई जा सके। साथ ही समस्त केवीके एवं निदेशक प्रसार यू.सी. एवं ए.यू.सी. समय पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें जिससे समय पर बजट उपलब्ध कराया जा सके।

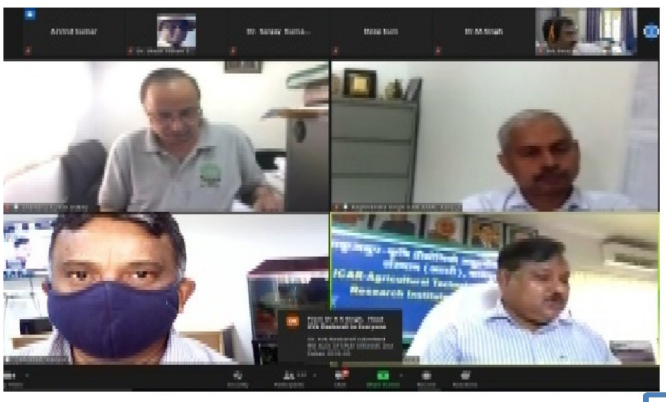

संरक्षित कृषि पर राष्ट्रीय वेबिनार

दि. 29 जून 2021 को भाकृअनुप–अटारी कानपुर द्वारा संरक्षित कृषि पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया।

निदेशक डा. अतर सिंह द्वारा बताया गया कि संरक्षित कृषि के अन्तर्गत ग्रीन हाउस व पालीहाउस आदि के माध्यम से घटती जमीन एवं वातावरण के बदलते परिवेश में सब्जी का उत्पादन व रोपण सामग्री आदि का उत्पादन किया जाता है। केवीके अपने स्तर पर पालीहाउस लेकर आयें जिससे कृषकों को काफी लाभ होगा।

प्रधान वैज्ञानिक डा. राघवेन्द्र सिंह द्वारा संरक्षित कृषि का परिचय व सफलता की कहानी विषय पर प्रस्तुतिकरण किया गया। प्रधान वैज्ञानिक अवनी कुमार, भाकृअनुप–आई.ए.आर.आई, पूसा नई दिल्ली, द्वारा 'संरक्षित कृषि की समस्यायें व संभावनायें' विषय पर प्रस्तुतिकरण किया गया। प्रधान वैज्ञानिक डा. अनन्त बहादुर द्वारा 'संरक्षित कृषि के लिये ड्रिप सिंचाई तकनीक' विषय पर प्रस्तुतिकरण दिया गया। प्रधान वैज्ञानिक डा. हरे कृष्णा द्वारा 'शहरी सब्जियों की खेती–शहरों में खाद्य और पोषण संबंधी प्रतिभूतियों को बढ़ाना' विषय पर प्रस्तुतिकरण दिया गया।

वेबिनार में प्रस्तुतिकरण के बाद प्रतिभागियों ने अपने प्रश्न पूछे जिनका उत्तर विशेषज्ञों द्वारा दिया गया।

वेबिनार में भाकृअनुप–अटारी कानपुर, पटना, लुधियाना, जबलपुर व जोधपुर जोन के कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, व कृषकों ने प्रतिभाग किया। अन्त में प्रधान वैज्ञानिक डा. एस.के. दुबे द्वारा सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

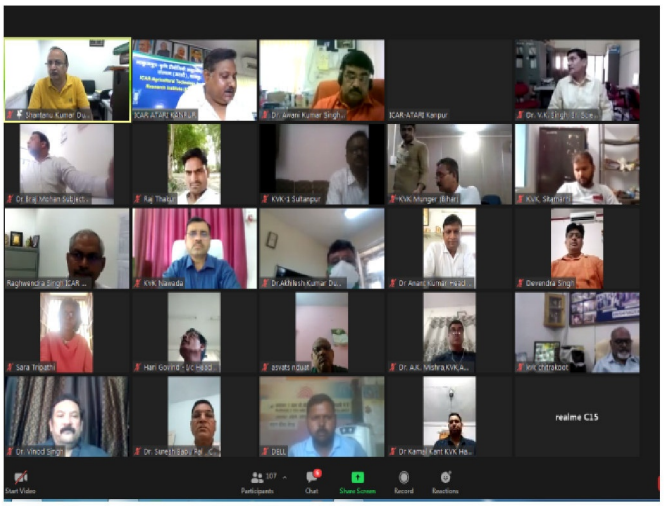

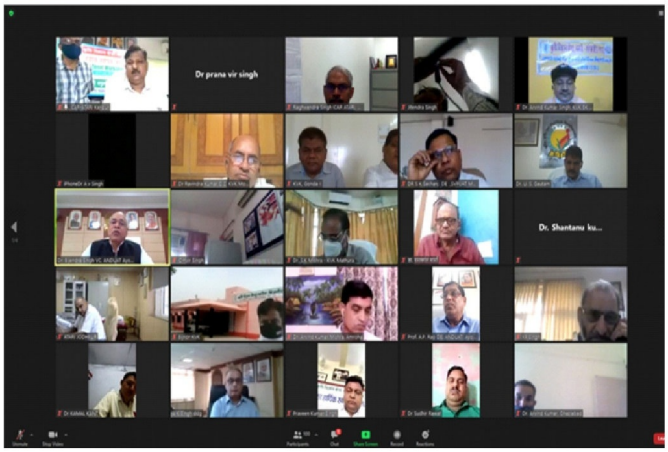

Workshop to prepare the activities of KVKs for the next 6 months of the year 2021

On 26 June 2021 an online workshop was organized by ICAR-ATARI Kanpur for Preparation of activities of Krishi Vigyan Kendras for the next 6 months, especially the status of sowing of *Kharif* season, preparation of *Rabi*, status of field demonstrations, budget status, work to be done under various projects, trainings, giving guidelines related to techniques used. Director ICAR-ATARI Kanpur chaired the workshop.

He told that Krishi Vigyan Kendras should submit the information on time so that it can be given to the headquarters in time. In addition, all KVKs and Director Extension must sure to make available UC and AUC on time so that the budget can be made available timely.

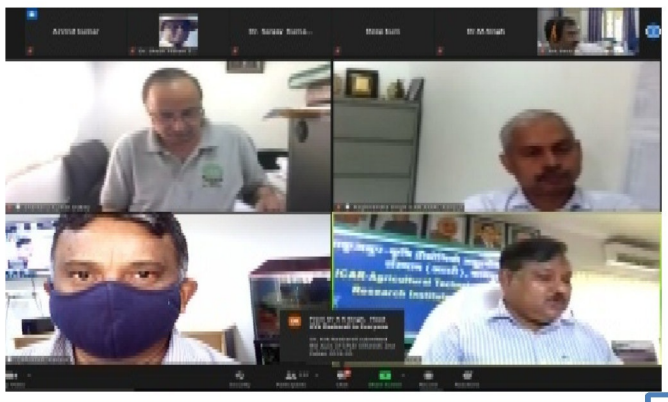

Webinar on Protected Cultivation

National Webinar on Approaches for Protected Cultivation was organized by ICAR-ATARI Kanpur on 29 June 2021.

Director Dr. Atar Singh told that the protected production of vegetables and planting material etc. is done in the changing environment and reducing area using green house and polyhouse etc. KVKs should establish polyhouses at KVK level, which will greatly benefit to the farmers.

Presentation on the topic of 'Introduction & Success Story of Protected Cultivation' was given by Principal Scientist Dr. Raghavendra Singh. A presentation was given on 'Problems & Prospects of Protected Cultivation' by Principal Scientist Avani Kumar, ICAR-IARI, Pusa New Delhi.

By Principal Scientist Dr. Anant Bahadur on the topic 'Drip irrigation techniques for protected cultivation'.

By Principal Scientist Dr. Hare Krishna on the topic 'Urban Vegetable farming: Augmenting food and nutritional securities in cities '.

After the presentation in the webinar, the participants asked their questions which were answered by the experts.

Scientists, research scholars and farmers of Krishi Vigyan Kendras of ICAR-ATARI Kanpur, Patna, Ludhiana, Jabalpur and Jodhpur zones participated in the webinar. In the end, Principal Scientist Dr. S.K. Dubey proposed vote of thanks to all the participants.

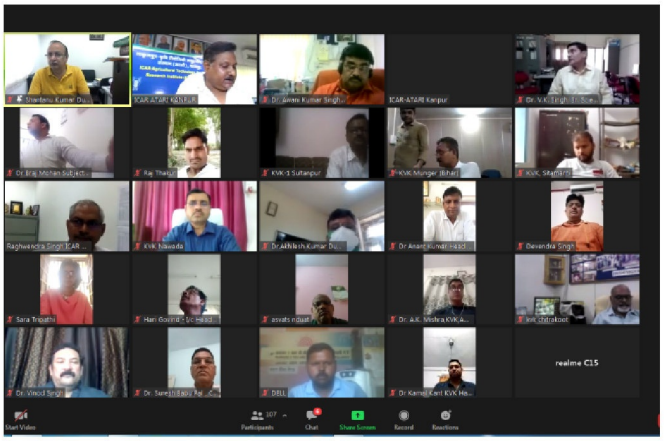

त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट (अप्रैल–जून, 2021)

Targets achieved (April - June 2021) in Ist Quarter (2021-22)
ATARI: ICAR-ATARI, Kanpur (Zone-III)

S. No.	Activities	Target achieved (1st Quarter) (April-June 2021)
1	On- Farm Trials Conducted (**Nos**.)	39
2.	Frontline Demonstrations Conducted (**Nos.**)	3439
3.	No. of Farmers and farm women Trained (**Nos.**)	3084
4.	No. of Extension Personnel Trained (**Nos**.)	236
5.	Production of Seeds (in Quintals)	4523.65
6.	Production of Planting materials(in lakhs)	0.87
7.	Production of livestock strains and fingerlings (in lakhs)	0.47
8.	Soil and water samples tested (Nos.)	706
9.	No. of Farmers provided mobile agro-advisory (in lakhs)	6.45
10.	No. of Farmers and other stakeholder Benefitted through various Extension Activities (in lakhs)	0.20

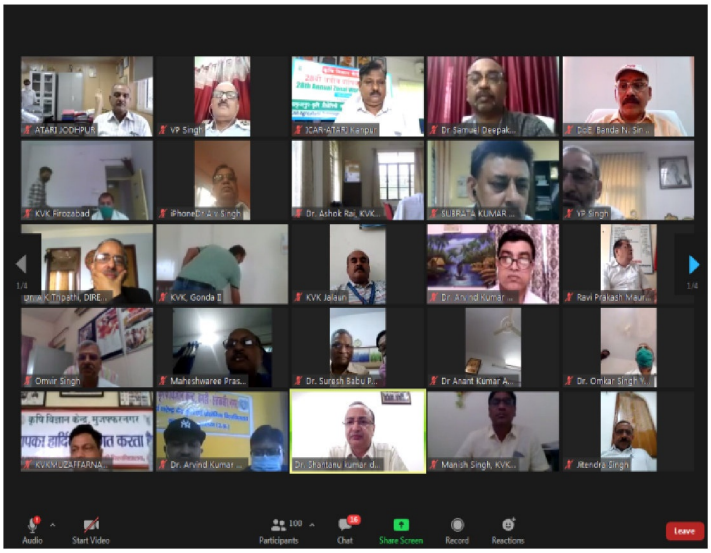

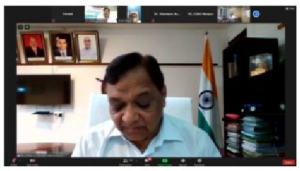

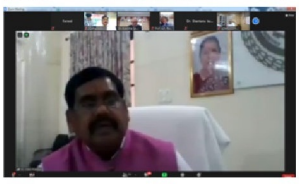

भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान

ICAR-Agricultural Technology Application Research Institute (ATARI)

जी.टी. रोड, रावतपुर, कानपुर (उ.प्र.)–208002

Phone: *0512-2533560, 2550927, 2554647* ***email:*** *zpdicarkanpur@gmail.com*

web*: atarik.res.in*

संकलनकर्ता एवं संपादक:

अतर सिंह

साधना पाण्डेय

शान्तनु कुमार दुबे

राघवेन्द्र सिंह

एस.एन. येमुल

सहयोगी: फरीद अहमद, स्वतंत्र प्रताप सिंह, निखिल विक्रम सिंह

प्रकाशक: निदेशक, भाकृअनुप–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कानपुर